

बहन की चूत की कहानी : घर की लाइली-6

“बहन की चूत की इस कहानी में पढ़ें कि कैसे बहन ने अपने दोनों भाइयों को अपना नंगा जिस्म दिखा कर गर्म किया और फिर चूत देने के बहाने अपनी शर्ते रख दी उनके सामने! ...”

Story By: indian lover (indian_lover)

Posted: Friday, October 19th, 2018

Categories: [भाई बहन](#)

Online version: [बहन की चूत की कहानी : घर की लाइली-6](#)

बहन की चूत की कहानी : घर की लाड़ली-6

मयूरी ने निश्चय किया कि यही सही मौका है दोनों भाइयों को मिलाने का... इसी बहाने दोनों में सुलह भी हो जाएगी और बहन की चूत को दोनों भाइयों के लंड से एक साथ चुदवाने का मौका भी मिल जायेगा. अब वो अपने आगे की योजना पर काम करने लगी.

दिन भर सब कुछ सामान्य रहा. शाम को अशोक घर आया तो उसने बताया कि उसके बड़े भाई यानि के मयूरी के बड़े चाचा की तबियत अचानक खराब हो गयी है तो उसको देखने जाना है. उसने शीतल को कहा- आज रात पैकिंग कर लो, कल सुबह की ट्रेन से हम निकलेंगे.

उसने बताया कि उन लोगों को वापिस आने में दो-तीन दिन लग जायेंगे. घर में माहौल काफी गंभीर था.

लेकिन इधर मयूरी के कामनावशित दिमाग में तो कुछ और ही चल रहा था. मयूरी को ये एक अच्छा मौका लगा जब वो अपनी अगली चाल चल सकती थी. अब घर में सिर्फ वो और उसके दो भाई रहने वाले थे जिसमें से एक को उसने कल शाम में अपनी चूत का स्वाद चखाया था और एक को आज सुबह ही अपनी चूत के साथ-साथ अपनी गांड का भी स्वाद चखा चुकी थी. वो अपने आगे की योजना को पुख्ता करने की सोच में लग गयी.

अगली सुबह अशोक शीतल को लेकर स्टेशन चला गया अपने भाई को देखने के लिए. विक्रम उनको छोड़ने स्टेशन गया. तब तक मयूरी और रजत घर में बिल्कुल अकेले थे. मयूरी रसोई में कुछ काम कर रही थी की रजत ने अचानक से पीछे से जाकर उसकी

चूचियों को दबोच लिया.

मयूरी चिल्लायी- क्या कर रहे हो रजत ?

रजत थोड़ा डरते हुए- क्या हुआ दीदी ?

मयूरी थोड़ी झल्लाहट के साथ- ये तुम क्या कर रहे हो ?

रजत अब सहम गया था. वो समझ नहीं पा रहा था कि यह क्या हो रहा है ? अभी सुबह ही तो उसने अपनी इस कयामत जैसी दिखने वाली दीदी को अपना लंड चुसाया था. उसकी चूचियों को उसने उमेठ दिया था, उसने अपनी बहन की चूत के रस का एक-एक बून्द अमृत की तरह चाट लिया था और अब वो ऐसे व्यवहार कर रही थी जैसे कुछ हुआ ही ना हो. फिर भी वो डरते हुए थोड़ी हिम्मत जुटाकर बोला- मैं तो बस आपको छेड़ रहा था... सॉरी...

मयूरी समझ गयी थी कि उसके ऐसे व्यवहार से रजत डर गया है. पर ये मयूरी के चाल का अगला कदम था. उसको पता था कि वो क्या कर रही है. वो बिल्कुल अनजान बनते हुए बोली- आगे से ध्यान रखना...

और यह बोलकर मयूरी अपने काम में लग गयी. रजत भी वापिस हॉल में आकर टीवी देखने लगा.

लगभग एक घंटे बाद विक्रम स्टेशन से वापिस आया.

रजत ने दरवाजा खोला और बिना कुछ बोले वापिस आकर हॉल के सोफे पर बैठ गया और टीवी देखने लगा. वो अब भी परेशान था कि यह उसके साथ क्या हो रहा है. अभी अच्छा मौका था जब अपनी बड़ी बहन को चोद सकता था पर मयूरी के अचानक से बदले ऐसे व्यवहार से वो परेशान था. वो सोच रहा था कि कहीं ऐसे तो नहीं कि मयूरी को अपनी सुबह की घटना पर पछतावा हो रहा हो और वो अब आगे ऐसा कुछ नहीं करने देगी.

रजत ने सोचा कि अगर ऐसा है तो वो उससे बात करेगा और इस बात को यही खत्म कर

देगा.

विक्रम ने घर में आते ही अपने कमरे का रुख किया और वो अंदर चला गया. इधर मयूरी ने रसोई का काम खत्म किया और अपने कपड़े बदले. उसने आप एक छोटी सी स्कर्ट पहनी और ऊपर में एक काले रंग का टॉप जो बहुत ही ज्यादा ढीला था. टॉप के नीचे उसने काले रंग की ब्रा पहन रखी थी पर उसकी बड़ी-बड़ी और गोल-गोल चूचियों के उभारों को आराम से देखा जा सकता था. मयूरी की चूचियां इतनी बड़ी थीं कि वो इन ढीले कपड़ों में कहाँ छुपने वाली थी.

फिर मयूरी हॉल में आयी और टीवी के सामने एक कामुक मुद्रा में खड़ी हो गयी. उसने विक्रम को आवाज़ लगायी- भैया ?

विक्रम- हाँ...

मयूरी- जरा बाहर आना...

विक्रम- क्या हुआ ?

मयूरी- एक जरूरी बात करनी है... प्लीज जल्दी बाहर आओ...

विक्रम (बाहर आते हुए)- क्या हुआ मयूरी ?

मयूरी- इधर सोफे पर बैठ जाओ, एक जरूरी बात करनी है.

विक्रम रजत के साथ सोफे पर थोड़ी दूरी बनाकर बैठ गया. अब दोनों भाइयों के दिल में धक्-धक् हो रही थी कि मयूरी पता नहीं क्या बोलने वाली है. क्योंकि कल से लेकर आजतक इस घर में काफी कुछ हो चुका था.

विक्रम- हाँ बोलो...

मयूरी- देखो... तुम दोनो को मैं एक सरप्राइज देने वाली हूँ.

विक्रम- क्या सरप्राइज ?

मयूरी अब दोनों भाइयों के सामने राज का पर्दा खोलने वाली थी- तुम दोनों को अभी तक लग रहा होगा कि तुमने मेरी चूचियों के साथ खेल लिया, मेरी चूत का स्वाद चख लिया तो अपना लौड़ा मेरी चूत में डाल के मेरी इस कंवारी चूत मजा ले लोगे ?

विक्रम और रजत एक साथ- कककक... क्या ????

विक्रम और रजत... दोनों भाइयों की आँखें फ़टी की फ़टी रह गयी. उनको अपने कानों पर विश्वास नहीं हुआ कि उनकी बहन ये क्या कह रही है. दोनों अभी तक ये समझ रहे थे कि ये खूबसूरत और हसीं वाकया सिर्फ उनके साथ ही हुआ है पर यहाँ तो बात कुछ और थी. उस से भी ज्यादा, उनकी अपनी बहन दोनों भाइयों के सामने ऐसे खुले में चूत, चूचियां और लौड़ा जैसे शब्दों का उपयोग कर रही थी वो भी बेधड़क.

दोनों एक दूसरे को देखते रह गए और कुछ पल तक बातों को समझने का प्रयास करते रहे.

फिर उनकी इस खामोशी को मयूरी ने तोड़ते हुए बात को साफ़ किया- हाँ... तुम दोनों ज्यादा आश्चर्यचकित मत होओ... मैंने तुम दोनों को अपनी इस प्यारे से शरीर के दर्शन भी कराये हैं और बहुत हद तक मजा भी दिया है.

विक्रम और रजत एक साथ- कककक... क्या ????

मयूरी- हाँ... तुम दोनों बिल्कुल सही सोच रहे हो. भैया, कल शाम को तुम्हें बहुत मजा आया ना जब तुम मेरी चूत को जोर-जोर से चाट रहे थे और अपना लंड तुमने मेरे मुँह में पेल दिया ?

विक्रम हकलाते हुए- मम... मैं... मैं... वो... वो...

मयूरी- कोई बात नहीं, मुझे भी बहुत मजा आया... और तुम रजत, तुम्हें तो मेरी गांड का छेद बहुत प्यारा लगता है न ? आज सुबह ही तुमने पहले अपनी उँगलियों से फिर अपनी जीभ से... बहुत मजा लिया ?

ऐसा कहते हुए मयूरी ने अपना टॉप निकाल फेंका और उसको हवा में लहराते हुए रजत के

मुँह पर फेंक दिया.

फिर वो आगे बोली- रजत, जब तुम मेरी चूचियों को जोर-जोर से उमेठ रहे थे तो सच कह रही हूँ कि मुझे भी बहुत मजा आया... तुम्हारे लंड से निकले हुए पानी के एक-एक बून्द का स्वाद मुझे तृप्त कर रहा था.

रजत और विक्रम अब भी बात को समझ नहीं पा रहे थे. वो कभी मयूरी को देखते तो कभी एक-दूसरे को.

मयूरी ने फिर आगे बात की- मैं यह साफ़ कर देना चाहती हूँ कि अभी तक मेरा तुम दोनों के साथ जो भी हुआ, उसके लिए मैं एकदम शर्मिंदा नहीं हूँ, बल्कि मुझे इस बात का बहुत खुशी है कि मेरी इस जवानी को कोई बाहर वाला लूटे, इससे पहले मेरे अपने भाई इस का मजा लें और मुझे भी मजा दें. पर मैंने इस विषय में बहुत सोचा, और फिर इस निर्णय पर आयी कि मैंने तुम दोनों से हमेशा एक जैसा प्यार किया है. तुम दोनों मुझे अपनी जान से भी ज्यादा प्यारे हो... मैंने हर साल राखी भी तुम दोनों की कलाई पर एक-साथ बाँधी है...

विक्रम और रजत मूक बने बस मयूरी की बात को सुन रहे थे और समझने की कोशिश कर रहे थी कि वो आखिर चाहती क्या है ?

मयूरी ने अपनी बात पूरी की- तो बहुत विचार-विमर्श के बाद मैंने यह निर्णय लिया है कि तुम दोनों अगर चाहो तो मेरी चूत का आधा ही नहीं, बल्कि पूरा मजा ले सकते हो... अपना लंड इसमें डालकर मेरी चूत को निहाल कर सकते हो और अपनी इस बहन का जीवन तृप्त कर सकते हो. पर एक शर्त होगी !

विक्रम और रजत फिर एक साथ थोड़ी खुशी और थोड़े आश्चर्य के साथ- क्या शर्त ?

मयूरी- अगर तुम दोनों मेरी इस चूत का आगे कभी भी मजा लेना चाहते हो तो...

विक्रम और रजत ने उसकी बात को बीच में काटते हुए उत्साह से पूछा- तो ?

मयूरी थोड़ा मुस्कराती हुई- अरे धैर्य रखो... बता रही हूँ... बता रही हूँ... मैं देख रही हूँ कि तुम दोनों भाई अपनी बहन को चोदने के लिए उतावले हुए जा रहे हो.
विक्रम और रजत एक दूसरे की तरफ देखते हुए झेंप से जाते हैं.

मयूरी आगे बोली- तो, अगर तुम दोनों मेरे इस जिस्म का पूरा मजा लेना चाहते हो, मेरी इन गोल-गोल भारी-भारी चूचियों को पकड़कर मसल देना चाहते हो, मेरी गांड के छेद पर फिर से अपनी जवान को फेरना चाहते हो, मेरी चूत को अगर चोदना चाहते हो तो तुम दोनों को ये एक साथ करना पड़ेगा.

विक्रम गुस्से से- मतलब ?

मयूरी- मतलब कि मैं तुम दोनों पर एक-साथ अपनी जवानी लुटाना चाहती हूँ.

विक्रम- यह नहीं हो सकता ?

मयूरी- क्यों नहीं हो सकता ?

विक्रम- इसने मेरी गर्लफ्रेंड के साथ...

मयूरी- अरे भैया... तुम पागल हो क्या ? रजत भी तो यही बोल सकता है ? पर तुम दोनों समझ क्यों नहीं रहे कि सपना ने तुम दोनों का चूतिया काटा है वो भी एक साथ... रजत ने जो भी किया उसकी मर्जी से ही किया न ? उसके साथ को जबरदस्ती तो नहीं की न ?

विक्रम- वो जो भी है ? पर मैं इस धोखेबाज के साथ कुछ शेयर नहीं कर सकता.

मयूरी अपना फैसला सुनाती हुई बोली- तो एक बात मेरी भी सुन लो... अगर तुम लोग एक साथ नहीं आओगे तो मेरे शरीर को हाथ लगाने के बारे में भी मत सोचना... अगर मैं अपनी चूत तुम्हें दूंगी तो एक साथ ... नहीं तो मैं अपना कोई और इंतज़ाम कर लूंगी. और कान खोलकर सुन लो, अगर मैं चाहूँ तो मेरे लिए लंड की लाइन लग जाएगी... ऐसा हुस्न है मेरे पास... पर क्या तुम्हें कभी ऐसा हुस्न मिलेगा, वो भी अपने घर में ? ये तुम सोचो ? तुम जब चाहो तब मुझे चोद सकते हो और अपना लंड मेर शरीर के हर छेद में

डाल सकते हो... पर ये तुम्हें साथ में ही करना होगा. ये मेरा अंतिम फैसला है... तुम चाहो तो अपने कमरे में जाकर आपस में बातचीत कर के सुलह कर सकते हो... मैं यही तुम्हारा इंतज़ार करूँगी.

ऐसा कहते हुए बड़े ही कामुक अंदाज़ में अपना हाथ अपनी पैंटी में डालकर अपने चूत को छेड़ने लगी.

पर दोनों में से कोई भी उठा नहीं.

मयूरी ने फिर से जोर देते हुए कहा- अब तुम दोनों अंदर जाओगे या मैं अपने हाथ से ही अपने आपको सुखी कर लूँ. और अगर ऐसा हुआ तो यह बात तो पक्की है कि मेरे इस सुन्दर से जिस्म का सुख कोई और ही भोगेगा क्योंकि अब मैं बिना चुदाई के नहीं रह सकती. अगर तुम नहीं तो कोई और सही, पर मुझे चुदाई तो चाहिए... अब जाओ और जल्दी से बातचीत कर के अपना मामला ठीक करो. अगर बात बनती है तो दोनों वापिस आकर मेरे एक-एक चूचियों को मसलना शुरू करो.

और ऐसा कहते हुए उसने अपने चूचियों को अपने हाथों से जोर जोर से दबाना शुरू कर दिया और अपने गीले लाल-लाल होंठों की अपने सफ़ेद दांतों से बड़े ही कामुक अंदाज़ में काटने लगी.

इधर दोनों भाई उठे और अपने कमरे में चले गए. दोनों भाइयों में लगभग छह महीने से बातचीत बंद थी और इतने दिन के बाद वो आपस में बातचीत करने वाले थे. दोनों को थोड़ा अजीब लग रहा था पर अब बात करना इतना जरूरी हो गया था कि क्या कहें. अगर वो बात कर के आपस में सुलह नहीं करते तो उनकी वो कामदेवी बहन उन्हें अपना चूत तो क्या ... एक चुम्बन भी नहीं देने वाली थी.

बहन की चूत की कहानी जारी रहेगी.

indian_lover@outlook.com

